सांध्य दैनिक

4PM

हो सकता है ये भगवान की मर्जी हो कि मैं जिस वजह का प्रतिनिधित्व करता हूं उसे मेरे आजाद रहने से ज्यादा मेरे पीड़ा में होने से अधिक लाभ मिले।

–बाल गंगाधर तिलक

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 337 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 17 जनवरी, 2023

पीएम आवास योजना के फंड को तत्काल... 2 | अकेले लड़ना मायावती की सियासी... 3 | गरीबों का धन बिचौलियों में बांट... 7

भारत जोड़ो यात्रा में थ्री लेयर सुरक्षा घेरे में चल रहे हैं राहुल गांधी

पंजाब में आधा घंटे में दो बार टूट गया सुरक्षा कवच

» घेरा तोड़ने पर केसरी परना बांधे युवक को हिरासत में लिया गया

» एक युवक भागकर जबरन गले लगा तो प्रदेशाध्यक्ष ने पीछे छकेला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

होशियापुर। पंजाब में कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी की सुरक्षा में आधा घंटे के भीतर 2 बार बड़ी चूक हुई। होशियारपुर में पहले तो एक युवक भागते हुए आया और जबरन राहुल के गले लग गया। इसके बाद एक संदिग्ध भी राहुल के काफी करीब पहुंच गया था। युवक जब राहुल के गले लगा तो पंजाब कांग्रेस चीफ राजा वड़िंग की मदद से राहुल गांधी ने धक्का देकर उसे दूर हटाया। इसके बाद बस्सी गांव में टी-ब्रेक में जाते समय एक युवक सिर पर केसरी कपड़ा बांधे हुए राहुल के करीब आ गया। यह देख

सुरक्षाकर्मियों ने उसे पकड़ लिया। यह स्थिति तब है जबकि पंजाब में राहुल गांधी को सबसे ज्यादा सिक्योरिटी दी गई है। यहां वह थ्री लेयर सुरक्षा घेरे में चल रहे हैं। जिसमें सबसे बाहर पंजाब पुलिस का घेरा, उसके बाद पंजाब पुलिस व स्टेट सीआईडी की रस्सी के साथ घेरे की सुरक्षा और अंत में राहुल की सिक्योरिटी है। पहले 5 दिन राहुल की यात्रा में कोई ऐसी चूक नहीं हुई।

केस-1... सुबह 8.10 बजे यात्रा जालंधर-पठानकोट रोड पर थी। इसी दौरान होशियारपुर में दसूहा के पास एक युवक राहुल गांधी का थ्री-लेयर सुरक्षा घेरा तोड़ने में सफल रहा। युवक सीधा ही राहुल के पास पहुंच गया और उन्हें गले लगा लिया। यह देख पंजाब कांग्रेस के प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग आगे बढ़े और युवक को पीछे धकेल दिया। सुरक्षाकर्मी भी यह देख युवक की तरफ लपके।

केस-2... सुबह 8.40 बजे टी-ब्रेक के लिए यात्रा होशियारपुर के ही गांव बस्सी के किसान हट ढाबे पर रुकी थी। सड़क क्रॉस करने के लिए राहुल गांधी आगे बढ़े, उसी समय सिर पर केसरी परना बांधे हुए युवक आगे बढ़ गया और राहुल के करीब पहुंच गया। सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत इसे भांप लिया। जिसके बाद युवक को हिरासत में ले लिया गया।

याकूब कुरैशी सोनभद्र और बेटे रहेंगे सिद्धार्थनगर व बलरामपुर की जेल में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मेरठ। पूर्व मंत्री याकूब कुरैशी और उनके दोनों बेटों को मेरठ की जेल से शिफ्ट कर दिया है। याकूब कुरैशी को सोनभद्र, बेटे इमरान को सिद्धार्थनगर और फिरोज को बलरामपुर जेल में शिफ्ट किया गया है। बता दें कि पूर्व मंत्री का रुतबा जेल जाने तक भी कम नहीं हुआ था। गिरफ्तारी के बाद जेल जाने के बाद भी हाजी याकूब से जेल में मुलाकात करने वालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही थी। जिसको लेकर एसएसपी ने कानून व्यवस्था का हवाला देते हुए शासन को रिपोर्ट भेजी थी।

इससे पहले पूर्व मंत्री याकूब कुरैशी और उनके बेटे इमरान को खरखौदा पुलिस ने गैंगस्टर कोर्ट में पेश किया। जहां पिता-पुत्र को 56 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया था। एसएसपी रोहित सिंह सजवान का कहना कि तीन दिन पहले रिपोर्ट भेजी गई थी। जिसके चलते आज उन्हें शासन के आदेश के अनुसार तीनों पिता-पुत्र को अलग-अलग जिलों में शिफ्ट कर दिया गया है। साथ ही जेल में जिन-जिन लोगों ने याकूब कुरैशी और उनके बेटों से मुलाकात की है। उनका क्या कनेक्शन है, इसकी भी पड़ताल की जा रही है। वरिष्ठ जेल अधीक्षक राकेश कुमार का कहना है कि सोमवार देर रात पूर्व मंत्री और बेटों को पुलिस सुरक्षा में प्रदेश की अलग-अलग जेलों में शिफ्ट कर दिया गया है। पुलिस के मुताबिक, याकूब ने जेल जाने के दौरान कहा कि 2019 का लोकसभा का चुनाव लड़ना महंगा पड़ा है। राजनीति के तहत मुझे और मेरे परिवार के खिलाफ साजिशन मुकदमा दर्ज कराया गया है। मुझे कानून पर भरोसा है, न्याय जरूर मिलेगा।

सांसद बर्क ने मायावती की तारीफ कर चौंकाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। संभल से समाजवादी पार्टी के सांसद डॉ. शफीकुर्रहमान बर्क ने बसपा सुप्रीमो मायावती की तारीफ कर सियासी हलचल मचा दी है। उनकी इस पहल को सपा से नाराजगी के तौर पर देखा जा रहा है। सांसद बर्क ने कहा कि देश को मायावती की जरूरत है। उन्होंने अपनी कौम के लिए बहुत काम किया है। उन्होंने मुसलमान के लिए काफी कुछ किया है। मैं भी उनकी पार्टी में रह चुका हूं। मैं चुनाव जीता था और सपा हार गई थी।

सांसद डॉ. बर्क के इस बयान के बाद प्रदेश की सियासत में हलचल मच गई है। अपने बयानों के लिए पहचाने जाने वाले बर्क कई बार पार्टी लाइन से हटकर बयान देते रहे हैं। उधर, कहा जा रहा है कि यदि मुस्लिम समुदाय समाजवादी पार्टी से नाराज हुआ और बसपा की ओर कदम बढ़ाया तो समाजवादी पार्टी की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। क्योंकि आजमगढ़ में शाहआलम गुड्डू जमाली और सहारनपुर के इमरान मसूद पहले ही बसपा के साथ जा चुके हैं।

सपा में बढ़ेगा शिवपाल का कद

» पार्टी मुखिया के बड़ी जिम्मेदारी देने के लग रहे हैं कयास

» राष्ट्रीय और राज्य कार्यकारिणी में नए चेहरों को भी मिल सकता है स्थान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। खरमास खत्म होते ही सपा मुखिया अखिलेश यादव पार्टी को दुरुस्त करने मे जुट गए हैं। इसी के तहत उन्होंने सोमवार को चाचा शिवपाल सिंह यादव से उनके आवास पर मुलाकात की। जहां उन्होंने पार्टी के आगामी योजनाओ पर चर्चा की। बैठक में अति पिछड़ों एवं दलितों को साथ लेकर संगठन के विस्तार पर भी दोनों में सहमति बनी। गौरतलब हो कि बीते दिनों अखिलेश ने कहा था कि शुभ दिन आने के बाद संगठन का विस्तार करेंगे।

चाचा से उनके आवास पर मिले अखिलेश

सपा के आंदोलन में निभा सकते हैं अगवा की भूमिका

पार्टी के रणनीतिकारों का मानना है कि शिवपाल के नेतृत्व में जिलेवार आंदोलन शुरू किया जा सकता है। क्योंकि सपा निकाय चुनाव के साथ लोकसभा चुनाव में भी धमाकेदार उपस्थिति दर्ज कराना चाहती है। इसके लिए शिवपाल का मैदान में उतरना जरूरी माना जा रहा है। पिछले सप्ताह शिवपाल ने खुद कहा था कि अखिलेश उनके भतीजे हैं। वे पूरे देश के नेता हैं।

45 मिनट तक मंथन

इन मुद्दों को लेकर अखिलेश यादव और शिवपाल के बीच मंथन हुआ। अति पिछड़ों एवं दलितों को साथ लेकर संगठन के विस्तार पर भी दोनों में एकराय बनी। मैनपुरी लोकसभा चुनाव जीतने के बाद सपा-प्रसपा का विलय हो गया है। बीते दिनों अखिलेश ने कहा था कि शुभ दिन आने के बाद संगठन का विस्तार करेंगे। आखिरकार वह शुभ दिन सोमवार को आ गया और बीते विधानसभा चुनाव के बाद पहली बार अखिलेश शाम को राजधानी में शिवपाल के घर पहुंचे। दोनों के बची करीब 45 मिनट सियासी मंथन किया।

सूत्रों की माने तो सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव जल्द ही अपने चाचा केंद्रीय राजनीति में बड़ी भूमिका दे सकते हैं। वे उन्हें पार्टी से राय कर महासचिव बना सकते हैं। प्रदेश में भाजपा के खिलाफ आंदोलन को तेज करने के लिए शिवपाल को यह जिम्मेदारी दी जाएगी। इसके अलावा उनके बेटे आदित्य यादव को भी पार्टी में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलनी तय है। सूत्रों का कहना है कि शिवपाल व आदित्य के अलावा उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने वाले नेताओं को भी समायोजित करने पर सहमति बनी। इस बार राष्ट्रीय एवं प्रदेश कार्यकारिणी में कुछ नए चेहरों को जगह मिल सकती है। नए पदाधिकारियों को लेकर भी दोनों के बीच बातचीत हुई है।

लखनऊ में शिवपाल के आवास पर इससे पहले 21 दिसंबर 2021 को अखिलेश गए थे। दोनों के बीच बातचीत हुई। शिवपाल ने समर्थन का एलान किया। उन्होंने 50 उम्मीदवारों की सूची दी। लेकिन टिकट सिर्फ शिवपाल को मिला। चुनाव बीता। विधायक दल की बैठक में शिवपाल नहीं बुलाए गए। नाराज शिवपाल ने सपा के खिलाफ मोर्चा खोल दिया।

पीएम मोदी की यात्रा से पहले महाराष्ट्र में गर्माहट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। मोदी के महाराष्ट्र दौरे से पहले उद्धव ठाकरे के घर के बाहर भाजपा नेताओं के बड़े कटआउट लगाने से भाजपा-शिंदे गुट और शिवसेना में घमासान शुरू हो गया। गौरतलब हो कि बीएमसी चुनाव की सुगबुगाहट के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 19 जनवरी को मुंबई पहुंच रहे हैं। वह यहां कुछ कार्यक्रमों में भी हिस्सा लेंगे। ऐसे में प्रधानमंत्री के दौरे से पहले भाजपा व उद्धव ठाकरे गुट के बीच घमासान तेज हो गया है।

पीएम मोदी के मुंबई दौरे से ठीक दो दिन पहले उद्धव ठाकरे के घर के बाहर भाजपा नेताओं के बड़े कटआउट लगाए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा, बाला साहेब ठाकरे, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के कटआउट उद्धव ठाकरे के घर के बाहर दिखाई दिए हैं। उधर, भारतीय जनता पार्टी के एक नेता ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे से कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ेगा और बीएमसी चुनाव के लिए भाजपा और शिंदे की अगुवाई वाली बालासाहेबंची शिवसेना के लिए जमीन तैयार करने में मदद मिलेगी।

नड्डा ने कहा-हर हाल में जीतना है विधानसभा चुनाव

» राष्ट्रीय कार्यकारिणी में पार्टी नेताओं को किया संबोधित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भाजपा अध्यक्ष ने जेपी नड्डा ने पार्टी के नेताओं से आगामी होने वाले सभी चुनावों को हर हाल में जीतने का आह्वान किया। भाजपा की दो दिन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी का उद्घाटन करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने 2023 में सभी विधानसभा चुनावों और अगले साल लोकसभा चुनाव जीतने का आह्वान किया। उन्होंने गुजरात विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किये गए चुनाव प्रचार का हवाला देते हुए पार्टी के सभी नेताओं को उनसे सीखने की अपील की।

सोमवार की चर्चा में बार-बार गुजरात की अभूतपूर्व जीत का जिक्र आया और यह विश्वास भी जताया गया कि इसका असर आगामी विधानसभा चुनाव से लेकर 2024 के लोकसभा चुनाव तक जाएगा। भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद के अनुसार, अपने अध्यक्षीय भाषण में जेपी नड्डा ने कहा कि 2023 में नौ राज्यों के विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और अगले साल लोकसभा चुनाव भी होगा। इसमें एक में भी हार नहीं होनी चाहिए और इसके लिए सभी कमर कसकर जुट जाएं। उन्होंने कहा कि इन राज्यों में जहां-जहां भाजपा की सरकार है, उसे और मजबूत किया जाए और जहां नहीं हैं, वहां ज्यादा मेहनत की जाए। उन्होंने कहा कि तेलंगाना जैसे राज्य में भाजपा के लिए चुनौती बड़ी है, लेकिन वहां भी हम निश्चित रूप से सरकार बनाएंगे। रविशंकर प्रसाद के अनुसार, राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी ने 72000 कमजोर बूथों की पहचान की थी और उन्हें मजबूत करने का संकल्प लिया था। जेपी नड्डा ने बताया कि पार्टी इससे कहीं ज्यादा एक लाख 30 हजार बूथों तक पहुंचने में सफलता पाई है।

पीएम आवास योजना के फंड को तत्काल जारी करे केंद्र : ममता

» केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय के पत्र का बंगाल सरकार ने भेजा जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत धनराशि तत्काल जारी करने की मांग की है। राज्य सरकार ने अपने पत्र में लिखा है कि अगर फंड जारी करने में और देरी हुई तो राज्य 11 लाख घरों के निर्माण की 31 मार्च की समय सीमा को पूरा करने में विफल हो जाएंगे।

अधिकारी ने कहा कि राज्य द्वारा सोमवार को भेजा गया पत्र, केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय के 493 पत्रों के पत्र का जवाब है, जिसमें योजना के हिस्से के रूप में किए गए खर्चों का ब्योरा मांगा गया है। विशेष रूप से, भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार प्रधानमंत्री आवास योजना के कार्यान्वयन में भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए पश्चिम बंगाल में निरीक्षण दल भेजती रही है। पत्र में राज्य ने स्पष्ट किया है कि उसने पहले ही केंद्र के सभी प्रश्नों का उत्तर दे दिया है और जल्द से जल्द लंबित धन की मांग की है।

घर बनाने का काम नहीं हो सकेगा पूरा

ममता सरकार के पत्र में उल्लेख किया गया है कि राज्य ने गंभीर वित्तीय संकट के बावजूद, आवास योजना के तहत 40 प्रतिशत खर्च वहन किया है। पत्र में यह भी कहा गया है कि 31 मार्च तक यदि धन जल्द जारी नहीं किया जाता है तो 11.5 लाख घर बनाने का काम पूरा करना संभव नहीं होगा। योजना के तहत, केंद्र 60 प्रतिशत लागत वहन करता है, और राज्य 40 प्रतिशत। अधिकारी ने दावा किया कि राज्य सरकार ने 4,800 करोड़ रुपये का वहन किया है और केंद्र सरकार ने अभी तक अपना हिस्सा 13,000 करोड़ रुपये नहीं भेजा है। उन्होंने कहा कि परिणामस्वरूप हाउसिंग प्रोजेक्ट का काम रोक दिया गया है। हमने केंद्र से हाउसिंग स्कीम के लिए जल्द से जल्द पैसा भेजने का अनुरोध किया है।

केंद्र की लापरवाही से आएगी तबाही : महबूबा

» कहा- आपदा के खतरे का सामना कर रहे हैं वैष्णो देवी और अमरनाथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने तीर्थयात्रियों की संख्या सीमित नहीं करने और जम्मू-कश्मीर में सड़कों का विस्तार करने में सरकार की लापरवाही के लिए उसकी आलोचना की। उन्होंने चेतावनी दी कि अमरनाथ और वैष्णो देवी को भी जोशीमठ जैसी स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर के कई इलाके और अमरनाथ, वैष्णो देवी जैसे क्षेत्र पारिस्थितिक रूप से बेहद नाजुक है।

प्रदेश के कई इलाके पर्यावरणीय आपदाएं की प्रतीक्षा में हैं महबूबा ने ट्वीट में कहा, तीर्थयात्रियों की संख्या को सीमित नहीं करने और इन स्थानों पर सड़कों का विस्तार करने की केंद्र की सरासर लापरवाही तबाही का कारण बनेगी। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि जोशीमठ में जमीन धंसने से हुई तबाही को सरकार गंभीरता से नहीं ले रही है। दुख की बात है कि जोशीमठ में आई तबाही से केंद्र सरकार अब तक जाग नहीं पाई है। उनके पास योजनाओं की कमी है और वे अपनी विफलताओं से जनता का ध्यान हटाने के लिए केवल सांप्रदायिक तनाव भड़का सकते हैं।

अकेले लड़ना मायावती की सियासी 'मजबूरी'

कोर वोट बैंक फिर से जोड़ने की कवायद

» लोकसभा-विस चुनाव की तैयारी करेंगी बहन जी

» विपक्ष की एकता को लगेगा झटका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में भाजपा, सपा, कांग्रेस के बाद अब बहुजन समाज पार्टी (बसपा) भी 2024 लोकसभा व विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट गई है। अपने जन्मदिन के अवसर पर पूर्व सीएम व बीएसपी प्रमुख मायावती ने अकेले लड़ने का फैसला लेकर पूरे विपक्ष को निराश कर दिया है। ये फैसला लेना उनकी सियासी मजबूरी है। क्योंकि वह अपना कोर वोट फिर से सहेजना चाहती हैं। वहीं मायावती का यह बयान तब आया है जब कांग्रेस भारत जोड़ो यात्रा के अंतिम चरण में पहुंच रही है।

उसके अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे विपक्ष के नेताओं यात्रा के समापन समारोह में शामिल होने के लिए निमंत्रण भेज रहे हैं। राजनैतिक विश्लेषकों का कहना है कि बहन जी यह फैसला बहुत सोच समझकर लिया है। इससे पहले वह सपा के साथ 2019 में मिलकर लोकसभा चुनाव लड़ी थी परंतु ज्यादा लाभ नहीं मिला था। पिछले दो विधानसभा चुनाव में अपने गिरते जनाधार खासतौर से अपने कोर वोट बैंक को फिर से अपनी ओर करने की भी उनकी कोशिश होगी। अपने कई प्रेस कांफ्रेंस में मायावती कह चुकी हैं कि अन्य पार्टियां उनसे गठबंधन करके लाभ तो ले लेती हैं पर अपना वोट उनकी पार्टी के उम्मीदवार के पक्ष में ट्रांसफर नही करवा पाती। शायद इसलिए वह आगामी लोकसभा व 9 राज्यों में होने वाले विधानसभा में अकेले चुनावी वैतरणी को पार करने की सोच रही हैं। जानकारों का कहना है मायावती ऐसी नेता हैं जो अपने पूरे वोट को किसी भी ओर ट्रांसफर कावाने की कुवत रखती हैं। हालांकि उनके कोर बैंक में बीजेपी व सपा ने सेंध भी लगाया है। कभी उत्तर प्रदेश में एकछत्र राज करने वाली बहुजन समाज पार्टी इस वक्त महज एक विधायक के साथ विधानसभा में अपनी पार्टी की नुमाइंदगी कर रही है। कभी लोकसभा सीटों के नाम पर जीरो पर पहुंचने वाली बहुजन समाज पार्टी इस वक्त अपने दस सांसदों के साथ लोकसभा में प्रतिनिधित्व तो कर रही है, लेकिन आने वाले चुनावों में बहुजन समाज पार्टी अपने नीचे गए इस ग्राफ को ऊपर लाने की तैयारी में जुट गई है। यही वजह है कि बसपा सुप्रीमो मायावती और और पार्टी के कुछ चुनिंदा नेताओं ने पार्टी में पूरी तरीके से मेकओवर की कई बड़ी योजनाएं बना डाली हैं। पार्टी से जुड़े नेताओं का कहना है कि आने वाले लोकसभा चुनावों से पहले पार्टी का पूरा चेहरा बदला हुआ नजर आएगा।

गठबंधन से नही मिलता है लाभ

मायावती ने लोकसभा चुनावों को लेकर स्पष्ट किया है वे किसी भी दल से समझौता नहीं करेंगी। उत्तर प्रदेश के सियासी जानकार कहते हैं कि दरअसल मायावती ने जब-जब गठबंधन किया, तब-तब मायावती को फायदा कम हुआ, बल्कि जिसके साथ गठबंधन हुआ उसे ज्यादा लाभ हुआ। जानकार कहते हैं कि यही वजह है कि मायावती ने इस बार बहुत सोच समझकर आने वाले चुनावों में गठबंधन से इनकार कर दिया है। वह कहते हैं कि मायावती के पहले गठबंधन से लेकर लोकसभा में हुए समाजवादी पार्टी के गठबंधन का इतिहास उठाकर देख लें, तो पता चल जाएगा कि इसमें मायावती को ही हमेशा नुकसान हुआ है। यह बात अलग है कि 2019 समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी के साथ गठबंधन में बसपा शून्य से दस सांसदों की संख्या तक जरूर पहुंची थी। लेकिन पार्टी का मानना है कि समाजवादी पार्टी का वोट बहुजन समाज पार्टी के साथ ट्रांसफर नहीं हुआ था।

वोटर सिर्फ मायावती पर ही करते हैं भरोसा

दलित चिंतक और बहुजन समाज पार्टी से जुड़े एक नेता बताते हैं कि मायावती का वोटर सिर्फ मायावती पर ही भरोसा करता है। बहुजन समाज पार्टी जब अपने राजनीतिक करियर के चरम पर थी, तो वह अकेले ही मैदान में संघर्ष भी कर रही थीं और अकेले ही उत्तर प्रदेश में राज भी कर रही थीं। गठबंधन के साथ ही पार्टी का अपना जनाधार भी कम होने लगा और बसपा के वोटरों का भरोसा भी पार्टी से उठने लगा। बगैर गठबंधन के चुनाव लड़ने की बात मायावती अगर अपने वोटरों में मजबूती से समझा पाती हैं, तो आने वाले चुनाव में बहुजन समाज पार्टी के लिए यह बहुत कुछ नया और सकारात्मक मिलने जैसा भी हो सकता है।

जल्द होंगे पार्टी में बड़े फेरबदल

दरअसल बहुजन समाज पार्टी अपने खोए हुए जनाधार को पाने के लिए एक बार फिर से नई योजनाओं पर काम रही है। नई योजनाओं में तमाम तरह के फेरबदल और पार्टी में निष्क्रिय हो चुके नेताओं को भी बदलने का बड़ा फरमान जारी हो चुका है। बहुजन समाज पार्टी से जुड़े वरिष्ठ नेता बताते हैं कि पार्टी की नीतियों और बाबा साहेब के मिशन को नीचे तक पहुंचाने में बहुत से नेता नाकाम हो चुके हैं। वह कहते हैं कि इस बारे में बसपा सुप्रीमो मायावती को भी पूरी जानकारी है कि कौन नेता किस तरह से पार्टी में काम कर रहा है। उनके मुताबिक अगले कुछ दिनों में पार्टी के भीतर न सिर्फ बड़े फेरबदल होंगे, बल्कि बूथ स्तर तक पर पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को मजबूत किया जाएगा। इसके अलावा पार्टी के नेशनल कोऑर्डिनेटर और मायावती के भतीजे आकाश आनंद की ओर से पार्टी में युवाओं को ज्यादा से ज्यादा मौका देने की बात की है। पार्टी से जुड़े वरिष्ठ नेता कहते हैं कि ऐसा करके पार्टी न सिर्फ बड़े बदलाव करेगी, बल्कि उसके परिणाम भी आने वाले लोकसभा चुनावों में दिखेंगे। बहुजन समाज पार्टी से जुड़े वरिष्ठ नेता का कहना है कि आकाश आनंद ने बसपा सुप्रीमो मायावती से पार्टी में ज्यादा से ज्यादा युवाओं की भागीदारी और उनको जिम्मेदारी देने की सिफारिश की है। पार्टी से जुड़े सूत्रों का कहना है कि आने वाले लोकसभा के चुनाव मे बहुजन समाज पार्टी ज्यादा से ज्यादा युवाओं को मौका देकर चुनावी मैदान में उतारेगी। बहुजन समाज पार्टी में लंबे समय से अलग-अलग पदों पर जिम्मेदारी निभाने वाले एक वरिष्ठ नेता कहते हैं कि पार्टी का ग्राफ 2012 से लगातार गिर रहा है। उनका कहना है पार्टी ने इस दौरान रणनीतिक तौर पर कई फेरबदल और कई प्रयोग भी किए। लेकिन ज्यादातर प्रयोग असफल ही साबित हुए। वह कहते हैं कि ये प्रयोग गठबंधन के तौर पर भी थे और जातिगत समीकरणों के आधार पर भी इसे किया गया था। फिलहाल बहुजन समाज पार्टी ने आने वाले लोकसभा चुनावों से पहले इस बार व्यापक फेरबदल करते हुए युवाओं को तरजीह देने की योजना तो बना ही ली है।

न्यायपालिका पर राजनीति अनुचित परंपरा

कालेजियम को लेकर भाजपा कांग्रेस में ठनी

» केंद्र की बीजेपी सरकार की मंशा कालेजियम में हो सरकारी प्रतिनिधि

» कांग्रस से कहा- न्यायपालिका पर कब्जा करने की कोशिश

» केजरीवाल ने बताया घातक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। न्यायपालिका व सरकारों के बीच आपसी टकराव नई बात नहीं है। इन दोनों के टकराव में राजनीति होना भी लाजमी है। इन दोनों के टकराव में जहां विपक्षी दल सत्ता पक्ष के निणर्य को गलत बताते है वहीं सत्ता से जुड़े लोग उसे वाजिब बताने में लग जाते हैं। परंतु इन सबके बीच आमजन के साथ खासलोग भी यही चाहते हैं कि न्यायपालिका को राजनीति का अखाड़ा नहीं बनाना चाहिए। सरकारों को कोर्ट के काम में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए।

गौरतलब हो कि पहले उपराष्ट्रपति धनखड़ के बयान पर उखड़ी कांग्रेस ने कानून मंत्री किरन रिजिजू के न्यायापालिका के संबंध में दिए सुझाव पर केंद्र सरकार पर न्यायपालिका पर कब्जा करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस का यह बयान कानून मंत्री के उस सुझाव के बाद आया जिसमे उन्होंने कहा था कि सरकार के प्रतिनिधियों को भी सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम में शामिल किया जाना चाहिए। कांग्रेस पार्टी की ओर से यह प्रतिक्रिया तब आई है जब केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने कथित तौर मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डी वी चंद्रचूड़ को पत्र लिखा है, जिसमें उन्होंने सरकार के प्रतिनिधियों को भी सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम में शामिल करने का सुझाव दिया है। रिजिजू ने यह भी कहा है कि राज्य के प्रतिनिधियों को भी हाईकोर्ट के कॉलेजियम का हिस्सा होना चाहिए। कानून मंत्री के मुताबिक, इससे न्यायाधीशों के चयन में पारदर्शिता और सार्वजनिक जवाबदेही लाने में मदद मिलेगी।

वहीं, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने इसको लेकर ट्वीट किया, उपराष्ट्रपति हमला करते हैं। कानून मंत्री हमला करते हैं। यह सब टकराव न्यायपालिका को डराने और उसके बाद पूरी तरह से कब्जा करने की योजना है। रमेश ने कहा, कॉलेजियम में सुधार की आवश्यकता है। लेकिन यह सरकारी पूरी तरह से कब्जा चाहती है। न्यायपालिका में सुधार इसके लिए (सरकार) जहर की गोली है। सीजेआई को लिखे पत्र को सही ठहराते हुए रिजिजू ने एक ट्वीट में कहा, माननीय मुख्य न्यायाधीश को लिखे पत्र की सामग्री सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ की टिप्पणियों और निर्देशों के अनुरूप है। कानून मंत्री ने कहा, सुविधाजनक राजनीति उचित नहीं है, खासकर न्यायपालिका के नाम पर। रिजिजू ने यह भी कहा कि संविधान सर्वोच्च है और कोई भी इससे ऊपर नहीं है। रिजिजू ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जवाब देते हुए कहा, मुझे उम्मीद है कि आप कोर्ट के निर्देश का सम्मान करेंगे। यह राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग अधिनियम (एनजेएसी) को रद्द करते हुए सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ के निर्देश की एख सटीक अनुवर्ती कार्रवाई है। सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने कॉलेजियम सिस्टम के एमओपी (मेमोरेंडम ऑफ प्रोसिजर) को रिस्ट्रक्चर करने का निर्देश दिया था। केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम में अपने नामितों को शामिल करने के सरकार के कदम को खतरनाक बताया था। केजरीवाल ने ट्विटर पर कहा था, यह बेहद खतरनाक है। न्यायिक नियुक्तियों में बिल्कुल भी सरकारी हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए। बीते साल नवंबर में रिजिजू ने कहा था कि न्यायिक नियुक्तियां करने का कॉलेजियम सिस्टम संविधान से अलग है। उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी दावा किया है कि न्यायपालिका विधायिका की शक्तियों का अतिक्रमण कर रही है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

हर पल को उत्साह से जी लीजिए!

“ सबसे बढ़ा दुख तो तब होता है आक्स्मिक किसी दुर्घटना में मृत्यु हो जाती है। इसी तरह की एक दर्दनाक दुर्घटना नेपाल के पोखरा में हुई। जहां एक विमान 68 लोगों व 4 क्रू मेंबरों के साथ पहाड़ियों में क्रैश होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में सभी लोगों की मौत हो गई। विमान का ब्लैकबाक्स मिल गया है, इसकी जांच के बाद हादसे के कारणों का पता चलेगा। पिछले कुछ सालों में इस तरह के हादसों की सूचनाएं दुनिया के विभिन्न देशों से आती रही हैं।

मृत्यु एक सच है। जिसने जन्म लिया है उसे एक दिन इस संसार से जाना होता है! इसलिए हर पल को उत्साह से जीएं। मौत आने की उम्र नहीं है कभी तो पूरी जिंदगी जीकर मनुष्य मरता है तो कभी जन्म लेते ही मौत हो जाती है। सबसे बढ़ा दुख तो तब होता है आक्स्मिक किसी दुर्घटना में मृत्यु हो जाती है। इसी तरह की एक दर्दनाक दुर्घटना नेपाल के पोखरा में हुई। जहां एक विमान 68 लोगों व 4 क्रू मेंबरों के साथ पहाड़ियों में क्रैश होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में सभी लोगो की मौत हो गई। विमान का ब्लैकबाक्स मिल गया है, इसकी जांच के बाद हादसे के कारणों का पता चलेगा। पिछले कुछ सालों में इस तरह के हादसों की सूचनाएं दुनिया के विभिन्न देशों से आती रही हैं। इस तरह के हादसे कभी-कभी तकनीकी खराबियों के अलावा मानवीय चूकों से भी हो जाते हैं। भारत जैसै देश में मृत्यु को ईश्वर की इच्छा से जोड़कर संतोष कर लिया जाता है। पर ऐसा हमेशा नहीं होता कभी-कभी मानवीय अनदेखी से भी बड़ी घटनाएं हो जाती है। मानव ने तकनीकी तरक्की तो बहुत कर ली है पर ईश्वर के आगे यह सब विकास मायने नहीं रखते। संत कहते हैं कि आज जो पल मिला है उसे पूरे उत्साह के साथ जी लीजिए, कल की चिंता छोड़ दीजिए।

यूपी के गाजीपुर के चार दोस्तों ने नेपाल के प्लेन मैं बैठते समय एक पल के लिए भी नहीं सोचा होगा कि यह उनका अंतिम सफर साबित होगा। क्रैश से ठीक पहले वे खुशी-खुशी प्लेन के सफर को इंजॉय कर रहे थे। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दिखाई देता है कि वे फेसबुक लाइव कर रहे थे। चेहरे पर मुस्कान थी तभी एक दोस्त कहता है, वाह बेटा वाह, मौज कर दी। उस समय कैमरा खिड़की की तरफ था और जमीन का इलाका दिखाई दे रहा था। वे लगातार बात कर रहे थे। काफी खुश थे, कैमरा ऑन था और तभी प्लेन हिलने लगा, चिल्लाने की आवाज आने लगी और 4 सेकेंड में आग की लपटें लाइव थीं। पूरा प्लेन आग की लपटों में जल रहा था। ये 4 सेकेंड जीवन की सच्चाई को बयां करते हैं। अगले 30 सेकेंड तक वीडियो चलता रहता है और कैमरे के सामने सिर्फ आग की लपटें दिखाई देती हैं। कुछ लोग ऐसी घटनाओं पर कहते हैं कि ऊपर वाले की मर्जी के आगे किसकी चलती है। कुछ लोग परिवार को यह कहकर सांत्वना देते हैं कि वह इतने ही दिन के लिए आया था। होनी को कौन टाल सकता है... लेकिन जरा उस परिवार, उन बच्चों के बारे में सोचिए जिन्हें समझ में ही नहीं आ रहा होगा कि क्या हुआ है। घर में भीड़ है, सबकी आंखों से आंसू निकल रहे हैं, बच्चों को घर में सब दिख रहे हैं लेकिन पापा नहीं हैं। रोजाना ऐसी घटनाएं और हादसे सामने आते हैं और लोगों में निराशा भर जाती है। क्या पता कल हो न हो?

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जोशीमठ से सबक ले बने विकास-पर्यटन नीति

डॉ. संजय वर्मा

अपनी प्राकृतिक सुंदरता से मोहते पहाड़ हर जगह एक जैसे नहीं होते। अगर होते तो आल्प्स की चोटियों को निहारने वाला कोई पर्यटक हिमालय में धूनी रमाए योगियों को देखने भला क्यों आता। अपनी भौगोलिक संरचनाओं से लेकर खूबसूरत वादियों और जंगलों-झरनों तक में पहाड़ों में फर्क महसूस किया जा सकता है। यह अंतर पहाड़ की नींव और जमीन में भी होता है। कहीं तो जमीन के भीतर ठोस चट्टानें हैं, तो कहीं भुरभुरी कमजोर मिट्टी जो जरा-सा दबाव पड़ते भीतर धंस जाती है। ये संदर्भ आज हमें जिस पहाड़ की तरफ ले जाते हैं, वह हिमालय की गोद में बसा आदि शंकराचार्य की तपस्थली और चार धामों में एक ज्योतिर्पीठ के रूप में विख्यात उत्तराखंड का ज्योतिर्मठ या जोशीमठ है, जिसका एक हिस्सा तेजी से धंस रहा है।

धंसते शहर की त्रासदी यह है कि यहां रहने वाले करीब सात सौ परिवारों के घर दरारों से पट गए हैं और ढहने का खतरा देखते हुए उनमें रहने वालों को राहत शिविरों में भेज दिया गया है। धंसती इमारतें नजदीकी भवनों के लिए खतरा न बन जाएं, इसलिए उन्हें ढहाने का काम भी शुरू हो चुका है। जोशीमठ धंस रहा है, यह चर्चा बीते कई महीनों से थी। पर इधर जब एक के बाद एक करके छह-सात सौ घरों, होटलों, आंगनबाड़ी केंद्र और तमाम इमारतों में फर्श, दीवारों में दरारें चौड़ी होने लगीं और भीतर से इनका दरकना-टूटना शुरू हो गया तो लोगों के पास वहां से बाहर निकल कोई और आसरा खोजने के सिवा कोई अन्य विकल्प नहीं बचा। यह एक भूकंप है जिसे पहले से बूझ लिया गया है। राहत सिर्फ इतनी है कि इस भूकंप से जान का कोई नुकसान नहीं होगा, बशर्ते अपनी जिंदगी भर की कमाई से बनाए घर से बेघर होने पर ठंड उसे न मार दे। सरकार-प्रशासन के स्तर पर राहत शिविर बनाने, जांच कमेटी गठित करने, प्रशासनिक अधिकारियों को बचाव कार्य के निर्देश जारी करने, मुख्यमंत्री के दौरे और प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से सक्रियताएं दिखने के अलावा एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों की तैनाती जैसे प्रबंध कर दिए गए हैं। पर जोशीमठ के दरकने की घटना कोई पहली बार नहीं हो रही है।

सिर्फ जोशीमठ ही क्यों, समूचा उत्तराखंड या कहें हिमालय इससे पहले भी टूटता-फूटता-धंसता-दरकता या यूं कहें कि घायल होता रहा है। ज्यादा दूर क्यों जाएं, वर्ष 2013 की 15-16 जून को घटित केदारनाथ त्रासदी को याद कर लें। थोड़ा और पास आएं तो

उत्तराखंड के चमोली जिले में दो साल पहले फरवरी, 2021 में तपोवन इलाके के गांव रैणी में ग्लेशियर फटने की घटना को देख लें। सप्तऋषि और चंबा नाम के दो पहाड़ों के बीच स्थित ग्लेशियर फटा तो नीचे स्थित ऋषिगंगा में सूनामी आ गई। ऋषिगंगा का यह सैलाब आगे बढ़कर धौलीगंगा में मिला और उस पर मौजूद एनटीपीसी के पावर प्रोजेक्ट को नुकसान पहुंचाने के अलावा वहां काम कर रहे मजदूरों, नजदीकी मुरिंडा नामक जंगल में घास काटने गई महिलाओं समेत 50 से ज्यादा लोगों को लील गया। ये आंकड़े तो सरकारी हैं, बताते हैं कि ऋषिगंगा में आई बाढ़ 150 से 200 मौतों का सबब बनी थी। एनटीपीसी की एक पनबिजली परियोजना जोशीमठ में भी है, जिसके लिए शहर के नीचे एक टनल बनाई जा रही है। कहने वाले कह रहे हैं कि यह टनल ही पहाड़ के दरकने की मूल वजह है। उधर, एक रोपवे प्रोजेक्ट भी है, जिसके खंबों के नीचे से ही बताते हैं कि पहाड़ की दरार शुरू हुई है और वहां से खिंचते-खिंचते शहर में उतर आई है। इसलिए बहस तेज है कि विकास के लिए पहाड़ पर बम की तरह बरसता इंसानी दखल ही जोशीमठ की रौनक बुझाने वाला साबित हो रहा है। हो सकता है कि जोशीमठ का मामला कुछ दिनों में शांत हो जाए या फिर सरकारी पराक्रम से मीडिया की सुर्खियों में रहने लायक न रह जाए, पर ऐसी दखलंदाजी पर देश की सर्वोच्च अदालत के आदेश पर बनी पर्यावरण एवं वन मंत्रालय की 11 सदस्यीय विशेषज्ञ संस्था आज से नौ साल पहले जो बात कह चुकी है, उस पर हमें कान देने चाहिए। केदारनाथ त्रासदी (16-17 जून, 2013 की दरम्यानी रात) की जांच के लिए बनाई गई इस विशेषज्ञ संस्थान संस्था ने 2014 में अपनी रिपोर्ट दी और उसमें कहा था कि उत्तराखंड में मौजूद और जारी निर्माणाधीन जल विद्युत परियोजनाएं पहाड़ में हो रहे विनाश के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं।

उत्तराखंड में विकास का ताजा घटनाक्रम वहां बने ऑल वेदर हाईवे (रोड) प्रोजेक्ट से संबंधित है, पर उसके आगे-पीछे भी तमाम ऐसी गतिविधियां इस पर्वतीय राज्य में चल रही हैं जिन्होंने प्रकृति और वहां रह रहे लोगों को त्राहिमाम कहने को मजबूर कर दिया है। खासकर उत्तराखंड और हिमाचल आदि पर्वतीय राज्यों में आज हर पर्यटन स्थल दुकानों से भरा हुआ है। जरा सोचिए कि जिस पहाड़-जंगल में ऊंची आवाज में बोलना इसलिए वर्जित माना जाता है ताकि वहां के वन्यजीवों और शांति में खलल न पड़े।

यूक्रेन की गलतियों से हमें कुछ सबक सीखना जरूरी

भारत में भले ही खाने-पीने की चीजों की कीमतें अभी तक नियंत्रण में हैं, क्योंकि हम अपने भोजन का बड़ा हिस्सा अपने यहां उत्पन्न कर लेते हैं। हमारा विदेशी मुद्रा भंडार भी अच्छा है, जिसके कारण हम मौजूदा हालात का बेहतर तरीके से सामना कर सकते हैं। लेकिन जिसे ग्लोबल साउथ कहते हैं, उसका बड़ा हिस्सा भारत जितना भाग्यशाली नहीं है। दक्षिण अमेरिका और अफ्रीका के देशों में आयात पर निर्भरता और कमजोर मुद्रा के कारण हालात संगीन हो गए हैं।

अभिजीत अय्यर मित्रा

बीते तीन-चार महीनों में क्या किसी ने खबरों में यूक्रेन का नाम सुना है? जबकि बीते साल फरवरी में हर बड़े टीवी चैनल का कोई न कोई एंकर यूक्रेन में था और युद्ध को कवर कर रहा था। उस समय हमारी मुख्य चिंता यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्र थे। जैसे ही यह समस्या सुलझी, एंकर लोग अपने रोजमर्रा के काम पर लग गए और यूक्रेन की खबरें विलुप्त हो गईं। लेकिन इससे युद्ध खत्म नहीं हो गया। वास्तव में वह एक बहुत ही दिलचस्प कूटनीतिक मोड पर है। बीते साल फरवरी में पश्चिम को पूरा भरोसा था कि वह इस प्रॉक्सी वार में जीत हासिल करेगा, लेकिन आज लगभग वह आत्मविश्वास शिथिल पड़ गया है। पश्चिम के द्वारा युद्ध के बाद रूस पर लगाई पाबंदियों ने पूरी दुनिया में उथलपुथल पैदा कर दी, जिसका असर तटस्थ देशों पर भी पड़ा है।

भारत में भले ही खाने-पीने की चीजों की कीमतें अभी तक नियंत्रण में हैं, क्योंकि हम अपने भोजन का बड़ा हिस्सा अपने यहां उत्पन्न कर लेते हैं। हमारा विदेशी मुद्रा भंडार भी अच्छा है, जिसके कारण हम मौजूदा हालात का बेहतर तरीके से सामना कर सकते हैं। लेकिन जिसे ग्लोबल साउथ कहते हैं, उसका बड़ा हिस्सा भारत जितना भाग्यशाली नहीं है। दक्षिण अमेरिका और अफ्रीका के देशों में आयात पर निर्भरता और कमजोर मुद्रा के कारण हालात संगीन हो गए हैं। रूस इसी का इंतजार कर रहा था। इराक के उलट- जो केवल एक ही कमोडिटी (तेल) का निर्यात करता है- रूस अनेक जरूरी कमोडिटी का निर्यातक है, जैसे तेल, गैस और उद्योगों के लिए महत्वपूर्ण अनेक खनिज। रूस को पता था कि उस पर लगाई पाबंदियों का असर दुनिया की सप्लाई चेन पर पड़ेगा। रणनीतिक हलकों में एक मजाक खूब चलता है कि रूस के दो सबसे प्रमुख जनरल हैं फील्ड मार्शल जनवरी और फील्ड मार्शल फरवरी।

जाड़ों के इन दो महीनों में पश्चिमी फौजें निष्क्रिय हो जाती हैं। लेकिन रूस की रणनीति इस बार आर्थिक है। वह चाहता है कि यूरोप जाड़ों के मौसम में अपने तेल और गैस के भंडार को खत्म कर दे और फिर घबराकर यूक्रेन की मदद करना बंद कर दे। जब लंदन, पेरिस, बर्लिन और रोम में लोग जरूरी चीजों की किल्लत से परेशान होकर सड़कों पर उतर आएंगे तो यूरोप के लिए यूक्रेन-संकट की तुलना में वह ज्यादा जरूरी मसला होगा। यूरोप के लिए अच्छी बात यह रही है कि इस बार सर्दियां कड़ाके की नहीं पड़ी हैं। रोम में तापमान आज 14 डिग्री है और यह दिल्ली से भी ज्यादा है। ऐसे में विंटर हीटिंग की मांग अधिक नहीं रही है। लेकिन युद्ध के मैदान में यूरोप की हालत अच्छी नहीं है। सितम्बर में यूक्रेनी फौजों ने रूसी टुकड़ियों को 70 से 80 किलोमीटर दक्षिण में धकेल दिया था। तब यूरोप को लगा कि रूस के खात्मे की शुरुआत हो चुकी है।

लेकिन रूस ने अपनी मोर्चाबंदी को दनीपर नदी के इर्द-गिर्द मजबूत करने के लिए कदम पीछे खिसकाए थे। यूक्रेन को बड़े पैमाने पर जनहानि हुई है। ईयू प्रेसिडेंट उर्सूला वॉन डेर लेयेन ने संकेत दिया था कि एक लाख से ज्यादा यूक्रेनी मारे जा चुके हैं। उसकी एक-तिहाई आबादी यूरोप के विभिन्न शहरों में रिफ्यूजी की तरह रह रही है। वैसी स्थिति में यूक्रेन अपने ट्रुप्स की संख्या बड़ा नहीं सकेगा। दूसरी तरफ पश्चिमी देशों द्वारा दी जाने वाली मदद का 30 प्रतिशत से कम हिस्सा ही यूक्रेनी सैनिकों तक पहुंच पा रहा है। शेष 70 प्रतिशत यूक्रेन के बदनाम कुलीनों के द्वारा हजम कर लिया जा रहा है। पश्चिम के द्वारा यूक्रेन को कॉम्बैट एयरक्राफ्ट, टैंक आदि मुहैया नहीं कराए जा रहे हैं।

स्टालिन ने कहा था, क्वांटिटी की अपनी क्वालिटी होती है, उसी तर्ज पर रूस बड़े पैमाने पर हथियारों का उत्पादन कर रहा है, जबकि पश्चिमी ताकतें पिछड़ रही हैं। साफ है कि यूक्रेन मुसीबत में फंस चुका है। रूस का पलड़ा भारी है। उसकी इकोनॉमी ने पश्चिमी पाबंदियों का सामना किया है, वहीं बढ़ती कीमतों का अपने पक्ष में दोहन करते हुए तीसरी दुनिया के देशों को पश्चिम के खिलाफ कर दिया है। इसमें भारत के लिए सबक है कि अगर हम चीन से युद्ध के फेर में फंसते हैं तो पश्चिमी ताकतों की पाबंदियां चीन का कुछ खास बिगाड़ नहीं पाएंगी। जब वे 2 ट्रिलियन डॉलर वाले रूस का कुछ नहीं कर पाईं तो 17 ट्रिलियन डॉलर के चीन का क्या कर लेंगी? दूसरे, जब सैन्य मदद की बात आती है तो पश्चिम के पास हमें देने के लिए ज्यादा कुछ नहीं है। वैसे भी वो हमें अपने सबसे बेहतरीन हथियार देने से रहे। अगर हम चीन से युद्ध के फेर में फंसते हैं तो पश्चिमी पाबंदियां चीन का कुछ बिगाड़ नहीं पाएंगी। जब वे 2 ट्रिलियन डॉलर वाले रूस का कुछ नहीं कर पाईं तो 17 ट्रिलियन डॉलर के चीन का क्या कर लेंगी?

शरीर के लिए बहुत जरूरी है जिंक

त्वचा को रखे स्वस्थ, लो-इम्यूनिटी करे मजबूत

डायबिटीज की स्थिति में हल्के घावों को भी ठीक होने में लंबा समय लग सकता है, इस तरह की स्थिति को मधुमेह के लक्षणों के तौर पर भी जाना जाता है। हालांकि अगर बिना डायबिटीज की समस्या के भी आपमें घावों को भरने में सामान्य से अधिक समय लग रहा है, तो इस पर गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है। कुछ स्थितियों में यह दिक्कत जिंक की कमी के कारण भी हो सकती है। जिंक, शरीर के लिए अति आवश्यक पोषक तत्वों में से एक है। यह त्वचा को स्वस्थ रखने, प्रतिरक्षा प्रणाली और कोशिकाओं की वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जिंक की आहार के माध्यम से हमारे शरीर को रोजाना जरूरत होती है, जो विभिन्न प्रकार के पौधों और पशुओं पर आधारित खाद्य पदार्थों से आसानी से प्राप्त किया जा सकता है, हालांकि कुछ लोगों में इसकी कमी हो सकती है।

जिंक की कमी के कारण होने वाली समस्याएं

शरीर में जिंक की कमी कई प्रकार की समस्याओं का कारण बन सकती है, समय रहते इसके लक्षणों की पहचान करना जरूरी हो जाता है। अस्पष्टीकृत वजन घटने, घावों की जल्दी ठीक न होना, सतर्कता की कमी, गंध और स्वाद की भावना में कमी, बार-बार डायरिया होते रहना, भूख न लगना और त्वचा की समस्या बने रहना, ये संकेत हो सकता है कि आपके शरीर में इस आवश्यक मिनरल की कमी है। जिंक की कमी इम्युनिटी सिस्टम के लिए भी दिक्कतें बढ़ाने वाली हो सकती है। जिंक की कमी की स्थिति में बालों के झड़ने, त्वचा विकारों और लो-इम्यूनिटी की दिक्कत देखी जाती है।

घावों को भरने में सहायक

जिंक, एक ट्रेस मिनरल है, जिसका अर्थ है कि इसकी शरीर को केवल थोड़ी मात्रा में ही आवश्यकता होती है। डीएनए के निर्माण, कोशिकाओं के विकास, प्रोटीन के निर्माण, क्षतिग्रस्त ऊतकों को ठीक करने और स्वस्थ प्रतिरक्षा प्रणाली के लिए इसकी जरूरत होती है। त्वचा को स्वस्थ रखने के लिए आवश्यक पोषक तत्वों में यह सबसे जरूरी है। घावों को भरने के लिए भी जिंक की आवश्यकता होती है।

दस्त में फायदेमंद

जिंक गोलियां दस्त को कम करने में मदद करती हैं। जस्ता (जिंक) की गोलियों का 10-दिनों तक नियमित सेवन, दस्त के इलाज में प्रभावी भूमिका निभाती है और इस स्थिति को भविष्य में दोबारा होने से रोकने में भी मदद करती हैं।

इम्युनिटी के लिए जिंक की जरूरत

जिंक की कमी के चलते आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली पर भी नकारात्मक असर हो सकता है। यह इम्युनिटी सेल फंक्शन और सेल सिग्नलिंग के लिए आवश्यक तत्व है, इसकी कमी से प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया कमजोर हो सकती है। जिंक की खुराक प्रतिरक्षा कोशिकाओं को उत्तेजित करती है और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करने में सहायक है। जिन लोगों में जिंक की कमी होती है उनमें बार-बार संक्रमण होने का जोखिम बना रहता है।

जिंक की पूर्ति करने वाले आहार

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, स्वस्थ और पौष्टिक चीजों के सेवन की आदत जिंक की दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति करने में सहायक मानी जाती है। इसके लिए मांस, एवोकाडो, अंडे, कद्दू के बीज, ओट्स, पालक, मशरूम और नट्स को आहार का हिस्सा बनाना लाभकारी हो सकता है। इस तरह के आहार से शरीर के लिए दैनिक रूप से आवश्यक जिंक की आसानी से पूर्ति की जा सकती है। जिंक से डायबीटीज जैसी खतरनाक बीमारी सही हो सकती है।

हंसना मना है

पति: मरते वक्त बीवी से: अलमारी से तेरा गोल्ड सेट मैंने ही चोरी किया था! बीवी रोते हुए: कोई बात नहीं जी, पति: तेरे भाई ने तुझे 1 लाख अमानत दी थी, वो भी मैने गायब की! बीवी: मैने आपको माफ किया! पति: तेरी कमेटी के पैसे भी मैने ही चोरी किये थे! बीवी: कोई बात नहीं जी, आपको जहर भी मैंने ही दिया है।

टीचर: बस के ड्राइवर और कंडक्टर मे क्या फर्क है? स्टुडेंट: कंडक्टर सोया तो किसिका टिकट नही कटेगा, ड्राइवर सोया तो, सबका टिकट कट जायेगा।

लड़का: डिअर मेरी आंखों में देखो, तुम्हे क्या दिख रहा है? मुझे जल्दी से बताओ!' लड़की: 'सच्चा प्यार' लड़का: ओए सच्चे प्यार की बच्ची कचरा गया है जल्दी फूंक मार।

आज फिर एक सरदार ने कमाल कर दिया, एक सरदार बैंक मे आकर सो गया, जानते हो क्यों? बैंक के बोर्ड पे लिखा था, सोने पे लोन मिलेगा।

आपने कभी सोचा है, की पती और चाय की पत्ती में क्या समानता है? दोनों के नसीब में जलना और उबालना लिखा है और वो भी औरतों के हाथ से।

कहानी | शेर और सियार

एक बार की बात है सुंदरवन नाम के जंगल में बलवान शेर रहा करता था। शेर रोज शिकार करने के लिए नदी के किनारे जाया करता था। एक दिन जब नदी के किनारे से शेर लौट रहा था, तो उसे रास्ते में सियार दिखाई दिया। शेर जैसे ही सियार के पास पहुंचा, सियार शेर के कदमों में लेट गया। शेर ने पूछा अरे भाई! तुम ये क्या कर रहे हो। सियार बोला, आप बहुत महान हैं, आप जंगल के राजा हैं, मुझे अपना सेवक बना लीजिए। मैं पूरी लगन और निष्ठा से आपकी सेवा करूंगा। इसके बदले में आपके शिकार में से जो कुछ भी बचेगा मैं वो खा लिया करूंगा। शेर ने सियार की बात मान ली और उसे अपना सेवक बना लिया। अब शेर जब भी शिकार करने जाता, तब सियार भी उसके साथ चलता था। इस तरह साथ समय बिताने से दोनों के बीच बहुत अच्छी दोस्ती हो गई। सियार, शेर के शिकार का बचा खुचा मांस खाकर बलवान होता जा रहा था। एक दिन सियार ने शेर से कहा, अब तो मैं भी तुम्हारे बराबर ही बलवान हो गया हूं, इसलिए मैं आज हाथी पर वार करूंगा। जब वो मर जाएगा, तो मैं हाथी का मांस खाऊंगा। मेरे से जो मांस बच जाएगा, वो तुम खा लेना। शेर को लगा कि सियार दोस्ती में ऐसा मजाक कर रहा है, लेकिन सियार को अपनी शक्ति पर कुछ ज्यादा ही घमंड हो चला था। सियार पेड़ पर चढ़कर बैठ गया और हाथी का इंतजार करने लगा। शेर को हाथी की ताकत का अंदाजा था, इसलिए उसने सियार को बहुत समझाया, लेकिन वो नहीं माना। तभी उस पेड़ के नीचे से एक हाथी गुजरने लगा। सियार हाथी पर हमला करने के लिए उस पर कूद पड़ा, लेकिन सियार सही जगह छलांग नहीं लगा पाया और हाथी के पैरों में जा गिरा। हाथी ने जैसे ही पैर बढ़ाया वैसे ही सियार उसके उसके पैर के नीचे कुचला गया। इस तरह सियार ने अपने दोस्त शेर की बात न मानकर बहुत बड़ी गलती की और अपने प्राण गंवा दिए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज का दिन उत्साहपूर्वक व्यतीत होगा। किसी नई बात या योजना के लिए दिन बहुत सही है। अगर कुछ नया करें तो आपके लिए अच्छा रहेगा। कहीं से शुभ समाचार प्राप्त होगा।

वृषभ

आपके लिए आज का दिन काफी खुशनुमा बीतेगा। आप मानसिक रूप से खुश रहेंगे इसलिए थोड़ी बहुत चुनौतियां भी आएंगी तो आप खुशी से उनका सामना करेंगे।

मिथुन
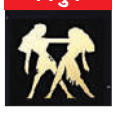
आज आपका दिन शानदार रहेगा। रिश्तेदारों का घर पर आना-जाना लगा रहेगा। शाम तक घर में खुशी का माहौल भी बनेगा। आपका स्वास्थ्य फिट रहेगा।

कर्क

आज मन में विचारों की अधिकता होने से कुछ अशांत रह सकता है। कोई पुराना लेनदेन जो आप भूल ही चुके थे उसका भी आपको लाभ मिलेगा।

सिंह

आज का दिन अपने पुराने कार्य को निपटाने के लिए बेहतर रहेगा। जो काम लंबे समय से रुके हुए उनके जमी हुई धूल को साफ करें तभी आप सफलता प्राप्त कर सकेंगे।

कन्या

आज आपका दिन शानदार रहेगा। रूके हुए कामों में आपको किसी मित्र की मदद मिलेगी। आपको कोई बड़ी खुशखबरी भी मिलेगी। आप कोई नई योजना बनायेंगे।

तुला

आज आप व्यावसायिक रुप से कार्यों में तेजी महसूस कर सकते हैं इसके साथ आपको लक्ष्य प्राप्त करने की चिंता सता सकती है। आज सामने आने वाले अवसरों पर निगाह रखें।

वृश्चिक

अच्छे आर्थिक लाभ के योग हैं, इसलिए आगे बढ़कर इसका स्वागत करें और मेहनत करें। खाने-पीने पर ध्यान रखें, क्योंकि स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

धनु

आज आपका दिन उत्तम रहेगा। रास्ते में किसी करीबी दोस्त से आपकी मुलाकात होगी, जिससे मिलकर आप खुश होंगे। ऑफिस में बॉस आपसे खुश होंगे।

मकर

आज आपको शैक्षिक कार्यों में बेहतर परिणाम मिलेंगे। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। कीमती वस्तुओं को संभालकर रखें। बनते कामों में विघ्न आ सकते हैं।

कुम्भ

दिन को बेहतर बनाने की दिशा में आपको चुनौतियों से लड़ना होगा। मानसिक रूप से आप काफी दबाव महसूस करेंगे। जीवनसाथी के साथ विदेश यात्रा की संभावना बन सकती है।

मीन

आज किसी खास व्यक्ति से आपको कोई बड़ा फायदा हो सकता है। आपके कार्यों की प्रशंसा हो सकती है। आपकी परेशानियों का समाधान निकल सकता है।

अनुराग के खिलाफ हुमा कुरैशी करेंगी मुकदमा

हुमा कुरैशी और फिल्म मेकर अनुराग कश्यप का साथ बहुत पुराना है। साल 2012 में अनुराग ने ही हुमा को फिल्मों में पहला ब्रेक दिया था। दोनों फिलहाल सोशल मीडिया पर एक दूसरे से मजाक करते नजर आए। हुमा ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक वीडियो क्लिप शेयर की है और अनाउंसमेंट में की कि वह म्यूजिशियन अमित त्रिवेदी और अनुराग पर उनका गाना चुराने के लिए मुकदमा कर रही है। उनके आरोप का जवाब देते हुए, फिल्म मेकर ने कहा कि गाना चोरी हो सकता है, लेकिन इसे कभी रिलीज नहीं किया गया था। हुमा ने अनुराग की अपकमिंग फिल्म 'ऑलमोस्ट प्यार विद डीजे मोहब्बत' का एक क्लिप शेयर किया और लिखा, मैं अमित त्रिवेदी और अनुराग कश्यप पर मेरा गाना चुराने का मुकदमा कर रही हूं। वहीं अनुराग ने भी हुमा की इंस्टाग्राम स्टोरीज पोस्ट को रीशेयर करते हुए लिखा, हाहाहा और इसे कभी जारी नहीं करना। उन्होंने पोस्ट में कुछ हार्ट इमोजी भी एड किए थे। बता दें कि हुमा को अनुराग की पॉपुलर क्राइम ड्रामा 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' में देखा गया था, जो 2012 में दो पार्ट्स में रिलीज़ हुई थी। हुमा ने अनुराग के साथ अपनी पहली मुलाकात को याद करते हुए कहा था कि उनके आमिर खान के साथ एक सैमसंग एड का डायरेक्शन अनुराग ने किया था और उन्होंने उस समय उन्हें एक फिल्म का वादा किया था। वह इतनी बेवकूफ थी कि उन्होंने उन्हें बताया कि वह अभी-अभी बंबई आई हैं और किसी को फिल्म मिलने से पहले बहुत संघर्ष करना पड़ता है। 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' में अपनी रोल के लिए ऑडिशन नहीं दिया था।

रणदीप हुड्डा को घुड़सवारी पड़ी महंगी

बॉलीवुड एक्टर रणदीप हुड्डा का घुड़सवारी और घोड़ों के प्रति प्रेम किसी से भी छिपा नहीं है लेकिन हाल ही में हुई घटना से लोगों को काफी बड़ा झटका लगा है। दरअसल रणदीप हुड्डा घुड़सवारी करते हुए अचानक से बेहोश हो गए। बेहोश होने की वजह से वो घोड़े से गिर गए और उन्हें गंभीक चोटें आई। आनन फानन में उन्हें अस्पताल भर्ती करवाया गया। रणदीप हुड्डा को कोलिबेन अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। डॉक्टरों ने रणदीप हुड्डा को बेड रेस्ट करने की सलाह दी है। इस घटना की वजह से रणदीप हुड्डा को काफी चोटें आई हैं। इससे पहले भई एक बार रणदीप हुड्डा सलमान खान के साथ

बॉलीवुड | मसाला

शूटिंग करते हुए घायल हुए थे। उसके बाद ये उनके साथ हुआ दूसरा हादसा है। सलमान खान के साथ रणदीप उस वक्त राधे के लिए शूटिंग कर रहे थे। रणदीप को इतनी भयानक चोट लगी कि उन्हें दाएं पैर की सर्जरी करवानी पड़ गई। रणदीप हुड्डा के एक्सीडेंट की खबर से फैंस के बीच सनसनी मच गई है। सभी उनकी अच्छी सेहत और जल्द रिकवरी की दुआ मांग रहे हैं। रणदीप हुड्डा के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभी तक सरबजीत, हाईवे जैसी फिल्मों से उन्होंने बॉलीवुड में अपनी एक्टिंग का डंका बजा दिया है। ऐसे में वो बेहद कमाल की एक और फिल्म लेकर आने वाले हैं। इस फिल्म में सभी दर्शक उन्हें वीर सावरकर की भूमिका निभाते हुए देख सकेंगे।

बॉलीवुड | वायरल पिक

सुर्खियों में तारा सुतारिया का कैंडिल लाइट डिनर

तारा सुतारिया कुछ समय से लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं, कभी अपने फिल्मों के कारण, कभी लव लाइफ को लेकर, तो कभी बोल्ड लुक्स की वजह से। हालांकि, कुछ समय से एक्ट्रेस अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड आदर जैन के साथ ब्रेकअप की खबरों को लेकर चर्चा में हैं, लेकिन उन्होंने खुद कभी इन खबरों पर को मुहर नहीं लगाई है। इसी बीच एक्ट्रेस ने अब इंस्टाग्राम पर अपनी 2 फोटोज शेयर की हैं, जिनमें एक्ट्रेस काफी रिलैक्स लग रही हैं। इंटरनेट पर उनका ये स्टाइलिश लुक भी खूब वायरल हो रहा है। इन फोटोज में तारा को देखकर ऐसा लग रहा है कि वह कहीं कैंडल लाइट डिनर पर बैठी हैं। उन्होंने यहां अपने सिजलिंग लुक्स दिखाते हुए कैमरे के सामने खूब पोज दिए हैं। इन फोटोज में तारा व्हाइट कलर की ब्लैक प्रिंट वाला डीपनेक ड्रेस पहने हुए नजर आ रही हैं। उन्होंने अपने इस लुक को न्यूड मेकअप से कंप्लीट किया है और बालों को ओपन रखा है। इस लुक में एक्ट्रेस काफी हॉट दिख रही हैं। उन्होंने अपने ग्लैमरस अंदाज दिखाते हुए कैमरे के सामने पोज दिए हैं। अब सोशल मीडिया पर तारा का ये लुक खूब वायरल हो रहा है। लोगों ने उनकी तारीफें करते हुए ढेरों कमेंट्स किए हैं। तारा के चाहने वालों के अलावा मशहूर हस्तियों ने भी एक्ट्रेस की इन फोटोज पर खूब प्यार लुटाया है। तारा की फोटो पर कुछ ही घंटों में लाखों लाइक्स आ चुके हैं, जो तेजी से बढ़ते ही जा रहे हैं।

गौरतलब है कि तारा पिछली बार मल्टी स्टारर फिल्म एक विलन रिटर्न्स में नजर आई थीं। इस फिल्म में उन्हें अर्जुन कपूर के साथ रोमांस करते हुए देखा गया था। फिलहाल एक्ट्रेस अपूर्वा टाइटल से बन रही फिल्म को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। अभी इस फिल्म के पोस्ट प्रोडक्शन का काम चल रहा है। तारा की इस फिल्म के बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन फैंस उन्हें पर्दे पर देखने के लिए काफी उत्साहित हैं।

लाओस के शियांगखुआंग में मौजूद हैं 400 से ज्यादा पत्थर के रहस्यमयी मटके

पूरी दुनिया में तमाम रहस्य मौजूद हैं, जिनके बारे में आजतक कोई पता नहीं लगा पाया। ऐसा ही एक रहस्य मौजूद है दक्षिण एशियाई देश लाओस में, जहां सदियों से पत्थर के सैकड़ों मटके मौजूद हैं। पत्थर के इन मटकों को प्लेन ऑफ जार यानी जार का मैदान कहा जाता है। मैदान पर मौजूद पत्थर के बड़े-बड़े मटके आज भी रहस्य बने हुए हैं। साथ ही ये पूरी दुनिया को हैरान भी करते हैं। बता दें कि लाओस के शियांगखुआंग प्रांत में 90 से ज्यादा ऐसे स्थान है जहां 400 से अधिक पत्थर के जार यानी मटके मौजूद हैं। इनमें से कई मटकों के ऊपर पत्थर के ढक्कन भी रखे हुए हैं। बताया जाता है कि इन मटकों की ऊंचाई एक से तीन मीटर तक है। बता दें कि वियतनाम युद्ध के दौरान 1964 से 1973 के बीच अमेरिकी वायु सेना ने शियांगखुआंग प्रांत में 26 करोड़ से अधिक क्लस्टर बम गिराए थे, हालांकि इनमें से कई करोड़ ऐसे थे, जो फटे ही नहीं। जो बम फटे नहीं थे वह बम आज भी पत्थरों के मटके वाले कई इलाकों में मौजूद हैं और तब से लेकर अबतक ऐसे ही हैं। हालांकि, सरकार ने कुछ जगहों से इन बमों को हटा दिया है। पुरातत्वविदों का मानना है कि ये हजारों रहस्यमय पत्थर के बने मटके लौह युग के हैं। हालांकि उस समय ये क्यों बनाए गए थे, इसका रहस्य आज भी स्पष्ट नहीं है, लेकिन कुछ वैज्ञानिकों का मानना है कि शायद इनका इस्तेमाल अंतिम संस्कार के वक्त अस्थि कलश के तौर पर किया जाता होगा। इस रहस्यमय और अनोखी जगह को यूनेस्को की विश्व धरोहर की सूची में शामिल किया है। लाओस की सरकार ने इसके लिए बहुत पहले आवेदन कर दिया था, जिसके बाद छह जुलाई 2019 को इसे विश्व धरोहर स्थलों में शामिल कर लिया गया।

अजब-गजब | प्रथम विश्वयुद्ध में पूरी तरह से बर्बाद हो गये थे कई गांव

पिछले सौ सालों से वीरान पड़ा है इलाका

तीन साल पहले कोरोना वायरस महामारी ने पूरी दुनिया को झकझोर कर रख दिया था। उसके बाद मानों पूरी दुनिया रुक सी गई थी, क्योंकि कोरोना वायरस को रोकने के लिए सभी देशों ने शख्त लॉकडाउन लगाया था। जिसके चलते लोगों को कई महीनों तक घरों में कैद रहना पड़ा। इस वायरस के चलते दुनियाभर में लाखों लोगों की जान चई गई। ऐसा कोई पहली बार नहीं हुआ था। बल्कि इससे पहले भी कई बार ऐसी बीमारियां पैदा हुई, जिन्होंने सैकड़ों लोगों की जान ले ली।

फ्रांस में एक गांव ऐसा है जो पिछले सौ साल से बीरान पड़ा है। इस गांव में इंसानों के साथ-साथ जानवरों के जाने पर भी पाबंदी है। इस गांव का नाम है जोन रोग। जोन रोग फ्रांस के उत्तर-पूर्वी इलाके में स्थित है। पिछले 100 सालों से इस इलाके को फ्रांस के बाकी क्षेत्रों से काटकर रखा गया है, जिससे यहां कोई आ जा न सके। इतना ही नहीं, इस इलाके में जगह-जगह डेंजर जोन के बोर्ड भी लगे हुए हैं, जो यह दर्शाते हैं कि यहां आना अपनी जान को जोखिम में डालना है।

दरअसल, फ्रांस के इस इलाके को रेड जोन के नाम से जाना जाता है। प्रथम विश्व युद्ध से पहले यहां कुल नौ गांव थे, जहां लोग रहा करते थे और खेती करके अपना गुजारा करते थे। लेकिन विश्वयुद्ध में यहां इतने गोला-बारूद और बम गिरे कि पूरा का पूरा इलाका बर्बाद हो गया। यहां लाशों के ढेर लग गए और भारी मात्रा में केमिकल युक्त युद्ध सामग्री पूरे इलाके में फैल गई। बताया जाता है कि इस इलाके में जमीन ही नहीं बल्कि पानी भी जहरीला हो गया है।

इस पानी को साफ करना मुश्किल ही नहीं बल्कि नामुमकिन है। इन्हीं कारणों से फ्रांस की सरकार ने इसे जोन रोग या रेड जोन घोषित कर दिया और इंसानों से लेकर जानवरों तक के यहां आने पर पाबंदी लगा दी। साल 2004 में कुछ शोधकर्ताओं ने जोन रोग की मिट्टी और पानी का परीक्षण किया। जिसमें भारी मात्रा में आर्सेनिक पाया गया। आर्सेनिक एक जहरीला पदार्थ है, जिसकी एक छोटी सी मात्रा ही अगर गलती से भी इंसान के मुंह में चला जाए तो कुछ ही घंटों में उसकी मौत हो जाती है।

हालांकि कुछ लोग इस जगह को भुतहा भी मानते हैं। उनका मानना है कि पहले विश्व युद्ध के दौरान मारे गए लोगों के आत्माएं यहां भटकती रहती हैं। हालांकि, उस समय के नौ गांव, जो युद्ध में बर्बाद हो गए, उनमें से दो गांवों का आंशिक रूप से पुनर्निमाण चल रहा है, जबकि बाकी के छह गांव अभी भी वीरान हैं।

गरीबों का धन बिचौलियों में बांट रहे हैं मोदी : राहुल गांधी

रिपोर्ट की बातें

एक प्रतिशत अमीर लोगों के पास देश की कुल संपत्ति का 40 प्रतिशत से अधिक हिस्सा
आधी आबादी देश की कुल संपत्ति के महज तीन प्रतिशत में अपना कर रही है गुजर-बसर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नयी दिल्ली। आक्सफैम की रिपोर्ट आने के बाद मोदी सरकार राहुल गांधी केनिशाने पर आ गई है। उन्होंने आरोप लगाया है कि मोदी गरीबों से पैसे लेकर अपने पूंजीपति मित्रों' को दे रहे हैं। उन्होंने ट्वीट कर कहा, ''मोदी गरीबों से पैसे लेते हैं और पूंजीपति मित्रों और उन बिचौलियों को देते हैं, जिन पर वह निर्भर हैं।

राहुल ने गरीबी उन्मूलन से जुड़ी कई संस्थाओं के महासंघ की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि भारत के एक फीसदी अमीरों के पास एक अरब गरीबों से चार गुना ज्यादा धन है। भारत के सबसे अमीर एक प्रतिशत लोगों के पास देश की कुल संपत्ति का 40 प्रतिशत से अधिक हिस्सा है, वहीं दूसरी ओर देश की आधी आबादी देश की कुल संपत्ति के महज 3 प्रतिशत में अपना गुजर-बसर कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार नवंबर 2022 में महामारी शुरू होने के बाद से भारत में अरबपतियों की संपत्ति में वास्तविक रूप से 121 प्रतिशत या हर दिन 3,608 करोड़ रुपये की वृद्धि देखी गई है। हालांकि जीएसटी चुकाने के मामले में भार आम आदमी पर अधिक पड़ा।

विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक के पहले दिन मानवाधिकार समूह ऑक्सफैम इंटरनेशनल ने वार्षिक असमानता रिपोर्ट का भारत सप्लीमेंट जारी किया।

भारत जोड़ो यात्रा के दौरान कश्मीर में राहुल को खतरा

नई दिल्ली। भारत जोड़ो यात्रा जल्द ही कश्मीर पहुंचने वाली है, सुरक्षा एजेंसियों ने राहुल गांधी की सुरक्षा को लेकर अलर्ट जारी किया है, सूत्रों से जानकारी मिली है कि राहुल गांधी को सुरक्षा एजेंसियों ने कश्मीर में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान कुछ जगहों पर पैदल नहीं चलने की सलाह दी है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उन्हें सुरक्षित रखने के लिए एक विस्तृत योजना बनाई गई है और यह सलाह दी गई है कि उन्हें पैदल यात्रा करने से बचना चाहिए पैदल चलने के बजाय कार से ही वो यात्रा करें। अधिकारी ने कहा कि एक व्यापक सुरक्षा समीक्षा अभी भी चल रही है जिसमें रात के उनके पड़ावों के बारे में दिए गए विवरण पर काम किया जा रहा है।

लोकसभा चुनाव में किसी भी दल को समर्थन नहीं : टिकैत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा है कि उनका संगठन भारतीय किसान यूनियन अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव-2024 में किसी भी राजनीतिक दल को कतई अपना समर्थन नहीं देगा। हालांकि उन्होंने मौजूदा सरकार पर निशाना साधते हुए यह संकेत जरूर दिया कि उनके संगठन से जुड़े किसान लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ रहेंगे। राकेश टिकैत ने यह जरूर कहा कि भारत जोड़ो यात्रा के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने उन्हें भरोसा दिलाया कि जिन राज्यों में उनकी पार्टी की सरकार है, वहां किसानों के हित में जल्दी उचित कदम उठाए जाएंगे। राकेश टिकैत ने यह भी जानकारी दी कि चुनाव से पहले राहुल गांधी किसान संगठनों के साथ बड़ी बैठक भी करेंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि आवारा जानवरों की वजह से किसानों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या को दूर करने के लिए केंद्र और राज्य सरकार द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाए जाने से किसान नाराज हैं। राकेश टिकैत ने बीजेपी और उसकी सरकारों पर हमला बोलने के साथ ही यह सफाई भी दी कि जहां भी किसानों पर अत्याचार होगा, वह उसका विरोध करेंगे। चाहे, वहां बीजेपी की सरकार हो या गैर बीजेपी की।

जगदानंद सिंह के खिलाफ पप्पू यादव के बिगड़े बोल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गया। बिहार के शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर के रामचरितमानस पर दिए गए बयान पर राजनीति थम नहीं रही है। अब जन अधिकार पार्टी प्रमुख पप्पू यादव की एंट्री हो गई है। उन्होंने इस मामले को लेकर राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह को घेरा और उनपर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि गठबंधन में आपस में गाली-गलौच की जा रही है और एक दूसरे को औकात दिखायी जा रही है। आखिर सुधाकर सिंह को आरजेडी क्यों नहीं निकाल रही?

बिहार के गया पहुंचे जन अधिकार पार्टी (जाप) के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव महागठबंधन पर उसके ही घटक दलों के नेताओं द्वारा बयानबाजी करनेवालों पर जमकर बरसे। पप्पू यादव ने राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह को थूक फेंककर चाटने की आदत वाला बताया और कहा कि वह 5 महीना चले गए थे, फिर पार्टी क्यों जॉइन किया।

गया के खिजरसराय में एक कार्यक्रम में शामिल होने आए राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने मीडिया से बातचीत के क्रम में कहा कि महागठबंधन की सरकार बनने पर एक विश्वास जगा था, लेकिन अब यह 'खोदी पहाड़ निकली चुहिया' वाली हालत हो गई है। नेता पर गाली गलौच की जा रही है और उन्हें औकात दिखायी जा रही है। आखिर सुधाकर सिंह को आरजेडी क्यों नहीं निकाल रही।

पिछले सालों का मुल्यांकन कर ही वोट दें : प्रियंका गांधी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। दक्षिणी राज्य कर्नाटक में सत्ता पर काबिज होने के लिए कांग्रेस ने ताल ठोक दी है। कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। इसी साल कर्नाटक में विधानसभा चुनाव होने हैं। इसी के तहत प्रियंका गांधी ने बेंगलुरु के पैलेस ग्राउंड्स में ना नायकी सम्मेलन किया। इस सम्मेलन में बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं। प्रियंका ने इस दौरान जहां भाजपा पर हमला बोला, तो वहीं उन्होंने चुनावी वादे भी किए।

प्रियंका गांधी ने सत्ताधारी भाजपा को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि मुझे पता चला कि कर्नाटक में स्थिति बहुत खराब है, भ्रष्टाचार से 1.5 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। पीएसआई घोटाला शर्मनाक है, आप अपने बच्चों को शिक्षित करते हैं और आपको सत्ता में बैठे नेताओं से यह मिलता है। वोट देने से पहले पिछले कुछ सालों को देखिए और इसका मूल्यांकन कीजिए। इस दौरान कांग्रेस ने महिलाओं के लिए बड़ा एलान किया है।

हाईकोर्ट का आदेश : कोरोना काल की स्कूल फीस 15 फीसदी माफ होगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने एक बड़े फैसले में कहा है कि कोरोना काल में बच्चों से ली गई स्कूल फीस का 15 फीसदी माफ होगा। कोर्ट का यह फैसला कोरोना के बाद से आर्थिक तंगी से जूझ रहे अभिभावकों के लिए बड़ी राहत की खबर होगी। हाईकोर्ट का यह आदेश राज्य के सभी स्कूलों पर लागू होगा। उन्होंने साल 2020-21 में जो फीस ली होगी उसमें से 15 प्रतिशत माफ करना होगा। कोर्ट ने माफ की गई इस फीस को अगले सेशन में एडजस्ट करने या फीस वापस लौटाने के लिए स्कूलों को दो महीने का समय दिया है।

गैंगस्टर खेल गया पुलिस और पत्रकारों के बीच मैच, डीएम-एसपी ने भी दे दिया सम्मान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

महोबा। जिले में पत्रकारों और पुलिस के बीच एक क्रिकेट मैच हुआ था। पत्रकारों की तरफ से मैच खेल रहे एक शख्स के ऊपर गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज था। मैच हुआ और मैच के बाद उस शख्स को महोबा के जिलाधिकारी और एसपी ने पुरस्कृत भी किया। अब घटना को लेकर आयोजक और अधिकारी पल्ला झाड़ रहे हैं।

महोबा के जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम में रविवार 15 जनवरी को एक क्रिकेट मैच का आयोजन हुआ था। इस तरह के मैच का आयोजन हर साल करवाया जाता है। इस साल हुआ ये क्रिकेट मैच पुलिस इलेवन और प्रेस क्लब के बीच खेला गया था। पुलिस ने पत्रकारों को चार विकेट से हराकर मैच ट्राफी अपने नाम कर ली थी। मगर मैच चर्चा का विषय तब बना, जब पता चला कि पत्रकारों की तरफ से खेल रहे एक शख्स के ऊपर गैंगस्टर एक्ट के तहत मामला दर्ज है। आरोपी मैच में सात गेंद खेल कर आउट हो गया था। मैच के बाद आरोपित शख्स को जिलाधिकारी मनोज कुमार और एसपी सुधा सिंह ने पुरस्कृत भी किया था। पुलिसवालों को आरोपी के बारे में जानकारी नहीं थी। पत्रकार टीम ने मैच जीतने के लिए तीन-चार बाहरी लोगों को खिलाया था।

कौन है आरोपी समीर

आरोपी का नाम समीर है। हमीरपुर में आरोपी के खिलाफ लूट का मुकदमा दर्ज है। आरोप है कि कोरोना के दौरान समीर ने लूट की वारदात को अंजाम दिया था। साथ ही साल 2017 में विधानसभा के चौथे चरण के मतदान के दौरान महोबा में विधानसभा चुनाव के दौरान फायरिंग भी हुई थी, जिसमें समीर का नाम आरोपियों की लिस्ट में था।

"हर इंसान जो सम्मान लेने आता है हम उसका कैरेक्टर वेरिफिकेशन नहीं करवाते हैं। ये जिम्मेदारी उनकी है जिन्होंने उसे टीम में शामिल किया और ऐसा कोई प्रावधान नहीं है कि जो शख्स प्रेस क्लब की टीम में शामिल होगा उसका कैरेक्टर वेरिफिकेशन करवाया जाएगा।
-सुधा कुमारी, एसपी महोबा

"आरोपी होना सब कुछ नहीं होता। लोग आपसी रंजिश में झूठे आरोप लगवा देते हैं। ऐसे तो सीएम योगी के ऊपर भी कई मुकदमे दर्ज हैं। मगर जब तक आरोपी के खिलाफ जब तक न्यायालय अपने फैसले में उसे दोषी करार नहीं देता है, तब तक व्यक्ति के ऊपर सवाल नहीं उठा सकते हैं।
-संजय मिश्रा, स्थानीय प्रेस एसोसिएशन के अध्यक्ष और मैच के आयोजक

उत्तर भारत में पड़ रही कड़ाके की ठंड, दो दिन बाद राहत की आस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» बर्फीली हवाओं से पारा गिरा दिल्ली से यूपी तक ठिठुरन

» 19 जनवरी से कोहरे और सर्दी में राहत मिलने की उम्मीद

नई दिल्ली। भीषण सर्दी से ठिठुर रही राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, उत्तर प्रदेश व पंजाब समेत उत्तर और पश्चिमोत्तर भारत के लोगों को 19 जनवरी के बाद से कुछ राहत मिलने की संभावना है। पहाड़ों से आ रही बर्फीली हवाओं से इन इलाकों में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। आईएमडी ने बताया कि आज सुबह 8.30 बजे सफदरजंग का तापमान 2.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया और पालम का 4.8 डिग्री दर्ज किया गया। मंगलवार धूप निकलने के साथ ही एक बार फिर मौसम बेहद सुहाना हो गया है। हालांकि कोहरे के कारण उत्तर भारत में कई ट्रेनें लेट हुईं। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर लोग ट्रेनों का इंतजार करते देखे गए।

बता दें कि सोमवार को दिल्ली के मुख्य मौसम विज्ञान केंद्र सफदरजंग में न्यूनतम तापमान 1.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। इससे 16 जनवरी राजधानी में इस सीजन का सबसे ठंडा दिन रहा। मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक, दिल्ली में मंगलवार को न्यूनतम तापमान एक डिग्री सेल्सियस तक आ सकता है। विभाग के मुताबिक, 18 और 20 जनवरी की रात पश्चिमी विक्षोभ के चलते गुरुवार से सर्दी कुछ कम होनी शुरू होगी। हालांकि, घने कोहरे से लगभग मुक्ति मिल जाने की उम्मीद है।

जन्मदर घटने से चिंता में चीन!

छह दशक में पहली बार देश की आबादी में आई कमी | मरने वालों का आंकड़ा पैदा होने वाले बच्चों से कहीं अधिक | जनसंख्या नियंत्रण नीति को लागू करना रही इसकी वजह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बीजिंग। चीन की जनसंख्या में साल 1961 के बाद सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। चीन में अब नकारात्मक जनसंख्या ग्रोथ शुरू हो गई है। बता दें कि चीन में मरने वालों का आंकड़ा, पैदा होने वाले बच्चों से अधिक है। चीन के नेशनल ब्यूरो ऑफ स्टैटिक्स के आंकड़ों के अनुसार, साल 2022 के अंत में देश की जनसंख्या 1.41175 अरब थी जो कि साल 2021 के 1.41260 अरब के मुकाबले कम है। चीन में कई दशकों तक जनसंख्या नियंत्रण नीति लागू रही और माना जा रहा है कि उन जनसंख्या नियंत्रण के उपायों के चलते ही देश की जनसंख्या में गिरावट आ रही है। हालांकि गिरती जनसंख्या से चीन की सरकार चिंतित है और वह देश की आबादी को फिर से बढ़ाने के लिए कई उपाय कर रही है लेकिन किसी का भी सकारात्मक नतीजा सामने नहीं आ रहा है।

2021 के मुकाबले 2022 में घटी 8.5 लाख जनसंख्या

आबादी में गिरावट, बुजुर्ग होती आबादी और जनसांख्यिकी में आ रहे बदलावों को रोकने के लिए चीन की सरकार कई नीतियां लेकर आई है, जिससे लोग एक से ज्यादा बच्चे पैदा करने के लिए प्रेरित हो जिनमें आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा शामिल है, लेकिन इसके बावजूद चीन की आबादी नहीं बढ़ पा रही है। साल 2021 में चीन में जन्मदर 7.52 बच्चे प्रति एक हजार लोग थी लेकिन बीते साल यह घटकर 6.77 बच्चे प्रति एक हजार हो गई। इससे चीन की जनसंख्या में 10 लाख से ज्यादा बच्चे कम पैदा हुए। इतना ही नहीं चीन में मृत्युदर भी साल 1976 के बाद सबसे ज्यादा है। चीन में 2022 में मृत्युदर 7.37 मौते प्रति एक हजार लोग रही। बुजुर्ग होती जनसंख्या के चलते चीन के सरकारी खजाने पर भी बोझ बढ़ रहा है और चीन की सरकार को बुजुर्गों की देखभाल और पेंशन आदि पर ज्यादा खर्च करना पड़ रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले समय में यह खर्च और बढ़ेगा।

उपराज्यपाल पर फिर बरसे सीएम केजरीवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» दिल्ली विधानसभा में दूसरे दिन भी हंगामा

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के दूसरे दिन की शुरुआत भी काफी हंगामेदार रही। आज भी दिल्ली विधानसभा में शिक्षकों को फिनलैंड जाने से रोकने के मामले में जोरदार हंगामा देखने को मिला। सीएम अरविंद केजरीवाल ने सदन में एलजी को टीचर्स ट्रेनिंग की फाइल रोकने पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि एलजी साहब संविधान व सुप्रीमकोर्ट की भी नही सुन रहे। वह आम आदमी की सरकार को काम नही करने दे रहे।

केजरीवाल ने कहा कि उपराज्यापल केंद्र की भाजपा सरकार के इशारे पर दिल्ली की चुनी सरकार को परेशान कर रहे है। उन्होंने कहा ऐसा लगता जैसे वह दिल्ली से चुनाव लड़ने की योजना बना रहे हैं।

इससे पहले सदन में बीजेपी विधायकों ने भ्रष्टाचार के मुद्दे पर चर्चा की मांग को लेकर जमकर हंगामा किया, वहीं मार्शल के जरिए बीजेपी विधायक ओपी शर्मा , जितेंद्र महाजन ,अजय महावर को सदन से बाहर किया गया। विधानसभा अध्यक्ष ने आज पूरे दिन के लिए बीजेपी के 6 सदस्यों को सदन से बाहर निकाला।

टैक्स नहीं चुकाने पर अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन को नोटिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन टैक्स नहीं चुकाने के मामले में सुर्खियों आ गई है। ऐसी जानकारी मिली है कि ऐश्वर्या राय बच्चन को उनकी जमीन पर बाकी टैक्स जमा नहीं करने की वजह से नासिक के तहसीलदार ने नोटिस भेजा है।

ऐश्वर्या राय को नोटिस सिन्नर (नासिक) तहसीलदार की तरफ से भेजा गया है। नासिक के सिन्नर के अदवाड़ी शिवरात में एक्ट्रेस की जमीन है। इस जमीन का एक साल का टैक्स बाकी है, जो 21,960 रुपये है, इसे एक्ट्रेस ने जमा नहीं किया है, इसी बकाया टैक्स के चलते तहसीलदार ने ऐश्वर्या राय के खिलाफ नोटिस जारी किया है। नोटिस 9 जनवरी को जारी किया गया था और

ऐश्वर्या राय बच्चन को मिला या नहीं, इस बारे में कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है। बताया जा रहा है कि ऐश्वर्या के पास सिन्नर के थानगांव के पास अदवाड़ी के पहाड़ी इलाके में करीब 1 हेक्टेयर जमीन है। जानकारी सामने आ रही है कि ऐश्वर्या पर इस जमीन का एक साल का टैक्स बकाया है, ऐश्वर्या के साथ ही 1200 अन्य संपत्ति मालिकों को भी टैक्स बकाया के लिए नोटिस जारी किया गया है। राजस्व विभाग द्वारा यह कार्रवाई मार्च के अंत तक, वसूली के लक्ष्य को पूरा करने के लिए की गई है, क्योंकि मार्च का महीना राजस्व विभाग के लिए क्लोजिंग का महीना होता है। हालांकि, ऐश्वर्या राय ने अभी इस मामले पर रिएक्ट नहीं किया है। ये भी बताया जा रहा है कि ऐश्वर्या ने पवन ऊर्जा उत्पादन करने वाली कंपनी सुजलॉन में निवेश किया है, ऐश्वर्या राय बच्चन के साथ-साथ कई मशहूर हस्तियों ने भी पवन ऊर्जा कंपनी सुजलॉन में निवेश किया है।

मिस्र के राष्ट्रपति गणतंत्र दिवस में होंगे मुख्य अतिथि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी इस बार गणतंत्र दिवस में मुख्य अतिथि होंगे। भारत और मिस्र के बीच राजनयिक संबंधों के 75 साल पूरे होने के इस महत्वपूर्ण अवसर पर जश्न मनाने के लिए मिस्र के राष्ट्रपति को आमंत्रित किया गया है।

दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों के 75 साल पूरे होने पर विदेश मंत्रालय के सचिव औसाफ सईद ने कहा कि इस दौरान दोनों देशों के बीच आपसी गर्मजोशी और दोस्ती मजबूत हुए हैं। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त 1947 को भारत को स्वतंत्रता मिलने के सिर्फ तीन दिन के बाद ही दोनों देशों ने औपचारिक संबंध स्थापित किए थे। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह को गणतंत्र दिवस के लिए मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया था, जिसका उन्होंने गर्मजोशी से स्वीकार किया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।